कॉरुगेटिड बॉक्स उद्योग बंदी के कगार

सुमन अग्रवाल

कोलकाता : कॉरुगेटिड बॉक्स उद्योग की हालत ठीक नहीं है. महंगाई की मार से पैकेजिंग उद्योगों को भी भारी क्षति हुई है. पैकेजिंग मैटेरियल के रूप में कोरुगेटेड बॉक्स बनाने वाली कंपनियां अब बंदी के कगार पर आ खड़ी हैं. बॉक्स बनाने के लिए कच्चे माल की कीमत दिन पर दिन आसमान छू रही है और ऐसा चलता रहा तो पैकेजिंग उद्योग का वजूद खत्म हो जायेगा. इस आशय की चिंता पेपर मिल एसोसिएशन की ओर से जाहिर की गयी है. उसके मुताबिक विदेशों में पड़ने वाली ठंड के कारण हाइ क्वालिटी के वेस्ट पेपर काफी महंगे हो गये हैं, जिससे क्राफ्ट पेपर के भाव में बढ़ोतरी करनी पड़ी. कॉरुगेटिड बॉक्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन के मुताबिक बॉक्स के दाम और 15 से 20 प्रतिशत बढ़ सकते हैं. एसोसिएशन के पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष हेमंत सरावगी ने बताया कि क्राफ्ट पेपर की कीमतों में दिसंबर से तेजी आयी है. क्राफ्ट पेपर की कीमत 16 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 19 रुपये हो गयी है. इसके बावजूद कंपनियां बॉक्स बनाने के लिए क्राफ्ट पेपर खरीद रहीं थीं, लेकिन उन्हें घाटा झेलना पड़ रहा है. ग्राहक खरीद की कीमत बढ़ाने को तैयार नहीं हो रहें हैं. हिंदुस्तान, गोदरेज, यूनिलीवर व अन्य कई बड़ी कंपनियां क्राफ्ट पेपर खरीदती हैं. फेडरेशन ऑफ कॉरुगेटिड बॉक्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष राम गोपाल अग्रवाल ने कहा कि अगर ऐसे ही कीमतों में बढ़ोतरी होती रही तो वे माल सप्लाई बंद करने को मजबूर होंगे. हेमंत सरावगी ने कहा कि पूर्वी क्षेत्र में 500 से ज्यादा इकाइयां कॉरुगेटिड बॉक्स बनाती हैं, जिनका सालाना कारोबार 800 से 900 करोड़ रुपये है. इस वर्ष तीन लाख से ज्यादा बॉक्स तैयार हुए हैं. इस साल पैकेजिंग उद्योग में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. उन्होंने बताया कि पैकेजिंग उद्योग पर देश के सारे उद्योग निर्भर करते हैं. ऐसे में बनने वाले उत्पादों की आवश्यक पैकेजिंग के बाद ही उनका निर्यात होता है. इस उद्योग से 25 हजार लोगों की जीविका जुड़ी हुई है.